an>

Title: Need to start construction of railway line from Lalitpur to Ramtek as a part of North-South Corridor of Diamond Quadrilateral Railway Project.

**श्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह)** ः एन.डी.ए. की सरकार ने रेल का हीरक चतुर्भुज बनाने का संकल्प व्यक्त किया था, जिसमें उत्तर से दक्षिण की रेल यात्रा की दूरी कम करना राष्ट्रहित में जरूरी है। यदि देश के रेलवे के मानचित्र को देखें तो ललितपुर से रामटेक के बीच यदि सीधी रेखा खींची जाए तो वर्तमान की रेल यात्रा लगभग 200 कि.मी. कम होगी। यदि यह मार्ग बनेगा तो निश्चित ही मध्यप्रदेश के कई प्रमुख जिले दमोह, सागर, नरसिंहपुर, सिवनी होते हुए महाराष्ट्र की सीमा से जुड़ सकेंगे। यह रेलवे का मार्ग बुंदेलखण्ड की पुरानी मांगों के भाग्य का भी फैसला करेगा। वर्षों पुरानी खजुराहो-भोपाल रेल मार्ग का सरेखण भी इससे तय हो सकेगा। आगे जाकर मुंबई, कोलकाता वाया इटारसी जबलपुर रेल लाईन को पार कर यह नागपुर-कोलकाता रेलवे लाईन में जुड़कर ऐसे चतुर्भुज बनेंगे जो देश की चारों दिशाओं के लिए यात्रा सुविधाजनक बनायें।

खनिजों के परिवहन, यात्रियों की सुविधा, सुन्दर अभ्यारण्य की दृष्टि से पर्यटन तथा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण इस रेल पथ (हीरक चतुर्भुज) के उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर पर शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जाए।